

प्रेषक,

पी०सी०शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
नैनीताल।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून:दिनांक: ३० जून, 2011

विषय:-ग्राम पूरनपुर, तहसील कालाढूंगी, जिला नैनीताल में गैस गोदाम हेतु 0.126 है० भूमि कुमाऊं मण्डल विकास निगम लि० को पट्टे पर आवंटित किए जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्र सं०-८१२/१२-ज्येष्ठ०५०सी०/२०१०, दिनांक-२९.११.२०१० एवं आदेश संख्या-१०७७/सात-स०भ०३०/२०११ दिनांक-१०.३.२०११ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, ग्राम पूरनपुर, तहसील कालाढूंगी, जिला नैनीताल में गैस गोदाम हेतु 0.126 है० भूमि कुमाऊं मण्डल विकास निगम लि० को, शासनादेश संख्या-२५८/१६(१)/७३-रा-१ दिनांक-०९.०५.१९८४ एवं यथा संशोधित शासनादेश संख्या-१६९५/९७-१-१(६०)/९३-रा-१ दिनांक-१२.०९.१९९७ में दिये गये प्राविधानों एवं पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अनापत्ति/सहमति के दृष्टिगत, खसरा संख्या-७८/५ एवं ७८/७ के अधीन, वर्तमान प्रचलित बाजार मूल्य के बराबर नजराना एक मुश्त जमा कराये जाने के अतिरिक्त, नई दरों पर निकाली गयी मालगुजारी के १५० गुने के बराबर धनराशि पूँजीकृत मूल्य के रूप में एक मुश्त जमा कराये जाने पर निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन, पट्टे पर आवंटित किये जाने की सहर्ष कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- (1) प्रश्नगत भूमि का उपयोग उसी कार्य विशेष के लिए किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत की गयी है।
- (2) प्रश्नगत भूमि किसी व्यक्ति व संस्थान या संगठन को बेचने/पट्टे पर देने अथवा किसी अन्य प्रकार से हस्तांतरित करने का अधिकार पट्टेदार को नहीं होगा। भूमि का उपयोग आवंटन के दिनांक से ०३ वर्ष की अवधि में पूर्ण कर लेना अनिवार्य होगा अन्यथा आवंटन स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
- (3) प्रश्नगत भूमि पट्टेदार को राजस्व विभाग के नियंत्रणाधीन सरकारी सम्पत्ति के प्रबन्ध से सम्बन्धित शासनादेश संख्या १५०/१/८५(२४)-रा-६ दिनांक-०९ अक्टूबर, १९८७ में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत गवर्नर्मेन्ट ग्रान्ट्स एक्ट १८९५ के अधीन पट्टा प्रथमतः ३० वर्षों के लिए होगा और पट्टेदार के लिए दो बार ३०-३० वर्ष के लिए इसे नवीनीकरण कराने का विकल्प उपलब्ध होगा। सरकार को नवीनीकरण के समय लगान बढ़ाने का अधिकार होगा, जो पूर्व लगान के १-१/२ गुना से कम नहीं होगा।

- (4) प्रश्नगत भूमि की आवश्यकता पट्टेदार को नहीं रह जायेगी तो भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग को वापस हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।
- (5) यदि भूमि/भवन का परित्याग कर दिया गया हो अथवा संस्था का विघटन हो जाता है तो भूमि/भवन सील सहित राज्य सरकार में सभी भारों से मुक्त निहित हो जायेगी।
- (6) प्रश्नगत भूमि पर, वन संरक्षण अधिनियम जागू होने की दशा में गैर वानिकी कार्य हेतु, भूमि के उपयोग का परिवर्तन तभी अनुमन्य होगा, जब उक्त अधिनियम के अन्तर्गत, नियत प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।
- (7) आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु संख्या-1 से 6 में से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।
- 2— उक्त आदेशों का नियमानुसार तत्काल कियान्वयन सुनिश्चित कराते हुए, शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर से निर्गत किये जाने वाले आदेश की प्रति, अनिवार्य रूप से शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

— / —  
(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव।

प्र०प०सं०-१८४ / संमिलित/ 2011

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. आयुक्त कुमाऊं मण्डल नैनीताल।
4. प्रबन्ध निदेशक, कुमाऊं मण्डल विकास निगम लिंग नैनीताल।
5. निदेशक एन०आई०सी० उत्तराखण्ड सचिवालय।
6. प्रभारी मीडियो केन्द्र, सचिवालय।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से.  
  
(संतोष बड़ोनी)  
अनुसचिव।